

# 聊斋志异

全译

〔清〕蒲松龄 著 丁如明等 译



上海古籍出版社

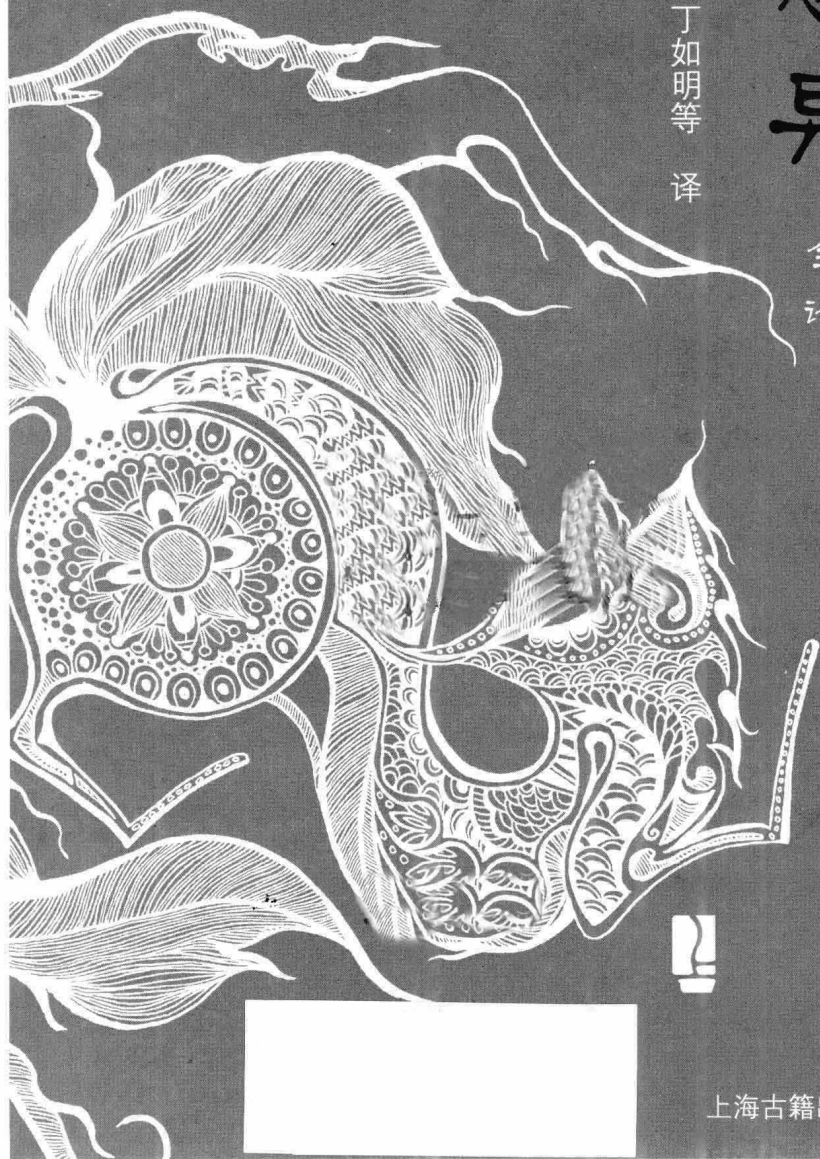
# 聊斋志异

全译

【清】蒲松龄

著 丁如明等

译



上海古籍出版社

## 图书在版编目(CIP)数据

聊斋志异全译/(清)蒲松龄著;丁如明等译. —  
上海:上海古籍出版社,2012.6  
ISBN 978-7-5325-6213-8

I. ①聊… II. ①蒲…②丁… III. ①笔记小说—中  
国—清代 IV. ①I242.1

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2012)第 010389 号

## 聊斋志异全译

(全二册)

[清]蒲松龄 著

丁如明等译

上海世纪出版股份有限公司 出版  
上海古籍出版社

(上海瑞金二路 272 号 邮政编码 200020)

(1) 网址: [www.guji.com.cn](http://www.guji.com.cn)

(2) E-mail: [guji1@guji.com.cn](mailto:guji1@guji.com.cn)

(3) 易文网网址: [www.ewen.cc](http://www.ewen.cc)

上海世纪出版股份有限公司发行中心发行经销 常熟文化印刷有限公司印刷

开本 635×965 1/16 印张 49.5 插页 4 字数 890,000

2012 年 6 月第 1 版 2012 年 6 月第 1 次印刷

印数: 1-5,100

ISBN 978-7-5325-6213-8

I·2438 定价: 78.00 元

如发生质量问题,读者可向承印公司调换

## 前言

在我国古典文学宝库中,《聊斋志异》是一部著名的短篇小说集,包含很多瑰丽多采、脍炙人口的优秀作品,其中不少作品早已被改编为戏曲,在舞台上盛演不衰;近十余年来,许多作品更被改编成电影和电视剧,深受欢迎。

《聊斋志异》作者蒲松龄字留仙,号柳泉居士,山东淄川(今山东省淄博市)人。生于明崇祯十三年(1640),卒于清康熙五十四年(1715),一生富于著述,诗词文赋、戏剧俚曲,皆有作品传世,而特以《聊斋志异》获誉于生前,不朽于身后。据说与他同时、长他六岁、以政坛重臣而兼文坛名人的王士禛,愿以千金易其稿,这或者只是一时流传的美谈;但王士禛被《聊斋志异》的艺术魅力所吸引,向蒲松龄按篇索阅而不可止,成为《聊斋志异》第一批倾倒者中的一员,则是事实。后来的纪昀,虽以《四库全书》总纂官的“正统”观念,对《聊斋志异》“一书而兼二体”略持异议,却也不得不承认它是“才子之笔”。从康熙年间流传钞本,到乾隆、嘉庆、道光年间刻本蜂出,使这部蒲松龄自称为“孤愤之书”、有所“寄托”的谈狐说鬼而实为现实主义与浪漫主义相结合的短篇小说集,成为家喻户晓的名著。

蒲松龄说自己像“落落秋萤之火”,“才非干宝”,“妄续《幽冥》”,这是他的自谦。他说《聊斋志异》是“集腋成裘”,则确是切身甘苦之谈。这部短篇小说集,是他从二十几岁开始,直至暮年,历四十余寒暑笔耕不辍积累而成的。从小说本身记有的年月来看,康熙七年山东淄川一带大地震,蒲松龄以纪实的手法写下了《地震》一篇,当时他二十九岁,显然这不是他的处女作;康熙四十六年苏州气候异常,七月初三下起大雪,蒲松龄据传闻写下了《夏雪》、《化男》,当时他年近古稀,显然这也不是他的辍笔之作。所以我们今天欣赏这部题材广阔、主题深刻、情节曲折、想象奇瑰、语言生动、人物形象众多而各个呼之欲出的小说集,不可不看到它是作者以毕生的心血所凝结成的。

为了使今天大多数对文言文还或多或少有点滞涩感的读者能够一睹这部优秀文学名著的全貌,特将我社所出的《聊斋志异》会校会注会评本原文十二

卷 491 篇(其中《寄生》一篇作为《王桂庵》的附篇列入目录,不计入篇数)全部今译出版,比通行本多收 60 篇。“三会本”附录作者存疑的 9 篇不收。本书的译者是(以姓氏笔划为序):丁如明、王兴康、邓长风、朱怀春、阮廷贵、沈开生、金良年、胡士明、唐书文、黄珅、曹光甫、穆俦十二人。

王维堤

# 目 录

|          |   |
|----------|---|
| 前言 ..... | 1 |
|----------|---|

## 卷 一

|            |    |           |    |
|------------|----|-----------|----|
| 考城隍 .....  | 1  | 娇娜 .....  | 25 |
| 耳中人 .....  | 2  | 僧孽 .....  | 29 |
| 尸变 .....   | 2  | 妖术 .....  | 30 |
| 喷水 .....   | 4  | 野狗 .....  | 31 |
| 瞳人语 .....  | 4  | 三生 .....  | 32 |
| 画壁 .....   | 6  | 狐入瓶 ..... | 33 |
| 山魃 .....   | 8  | 鬼哭 .....  | 33 |
| 咬鬼 .....   | 8  | 真定女 ..... | 34 |
| 捉狐 .....   | 9  | 焦螟 .....  | 34 |
| 莽中怪 .....  | 10 | 叶生 .....  | 35 |
| 宅妖 .....   | 10 | 四十千 ..... | 37 |
| 王六郎 .....  | 11 | 成仙 .....  | 38 |
| 偷桃 .....   | 13 | 新郎 .....  | 41 |
| 种梨 .....   | 15 | 灵官 .....  | 42 |
| 劳山道士 ..... | 16 | 王兰 .....  | 43 |
| 长清僧 .....  | 18 | 鹰虎神 ..... | 45 |
| 蛇人 .....   | 19 | 王成 .....  | 45 |
| 斫蟒 .....   | 21 | 青凤 .....  | 49 |
| 犬奸 .....   | 21 | 画皮 .....  | 52 |
| 雹神 .....   | 22 | 贾儿 .....  | 55 |
| 狐嫁女 .....  | 23 | 蛇癖 .....  | 58 |

## 卷 二

|           |    |           |    |
|-----------|----|-----------|----|
| 金世成 ..... | 59 | 陆判 .....  | 62 |
| 董生 .....  | 59 | 婴宁 .....  | 66 |
| 斲石 .....  | 61 | 聂小倩 ..... | 72 |
| 庙鬼 .....  | 61 | 义鼠 .....  | 76 |

|            |    |            |     |
|------------|----|------------|-----|
| 地震 .....   | 76 | 侠女 .....   | 92  |
| 海公子 .....  | 77 | 酒友 .....   | 95  |
| 丁前溪 .....  | 78 | 莲香 .....   | 96  |
| 海大鱼 .....  | 79 | 阿宝 .....   | 102 |
| 张老相公 ..... | 79 | 九山王 .....  | 105 |
| 水莽草 .....  | 80 | 遵化署狐 ..... | 107 |
| 造畜 .....   | 82 | 张诚 .....   | 107 |
| 凤阳士人 ..... | 82 | 汾州狐 .....  | 111 |
| 耿十八 .....  | 84 | 巧娘 .....   | 111 |
| 珠儿 .....   | 85 | 吴令 .....   | 115 |
| 小官人 .....  | 88 | 口技 .....   | 116 |
| 胡四姐 .....  | 88 | 狐联 .....   | 117 |
| 祝翁 .....   | 90 | 潍水狐 .....  | 117 |
| 猪婆龙 .....  | 91 | 红玉 .....   | 118 |
| 某公 .....   | 91 | 龙 .....    | 121 |
| 快刀 .....   | 92 | 林四娘 .....  | 122 |

## 卷 三

|            |     |           |     |
|------------|-----|-----------|-----|
| 江中 .....   | 125 | 白于玉 ..... | 146 |
| 鲁公女 .....  | 125 | 夜叉国 ..... | 150 |
| 道士 .....   | 128 | 小髻 .....  | 153 |
| 胡氏 .....   | 129 | 西僧 .....  | 154 |
| 戏术 .....   | 131 | 老饕 .....  | 154 |
| 丐僧 .....   | 131 | 连城 .....  | 156 |
| 伏狐 .....   | 132 | 霍生 .....  | 159 |
| 蛰龙 .....   | 132 | 汪士秀 ..... | 160 |
| 苏仙 .....   | 133 | 商三官 ..... | 161 |
| 李伯言 .....  | 134 | 于江 .....  | 162 |
| 黄九郎 .....  | 135 | 小二 .....  | 163 |
| 金陵女子 ..... | 139 | 庚娘 .....  | 166 |
| 汤公 .....   | 140 | 宫梦弼 ..... | 169 |
| 阎罗 .....   | 141 | 鸽鸽 .....  | 173 |
| 连琐 .....   | 141 | 刘海石 ..... | 174 |
| 单道士 .....  | 145 | 谕鬼 .....  | 175 |

|          |     |            |     |
|----------|-----|------------|-----|
| 泥鬼 ..... | 176 | 阿霞 .....   | 184 |
| 梦别 ..... | 176 | 李司鉴 .....  | 186 |
| 犬灯 ..... | 177 | 五穀大夫 ..... | 186 |
| 番僧 ..... | 177 | 毛狐 .....   | 187 |
| 狐妾 ..... | 178 | 翩翩 .....   | 188 |
| 雷曹 ..... | 180 | 黑兽 .....   | 191 |
| 赌符 ..... | 183 |            |     |

## 卷 四

|            |     |            |     |
|------------|-----|------------|-----|
| 余德 .....   | 192 | 姊妹易嫁 ..... | 225 |
| 杨千总 .....  | 193 | 续黄梁 .....  | 227 |
| 瓜异 .....   | 193 | 龙取水 .....  | 232 |
| 青梅 .....   | 194 | 小猎犬 .....  | 232 |
| 罗刹海市 ..... | 199 | 棋鬼 .....   | 233 |
| 田七郎 .....  | 205 | 辛十四娘 ..... | 234 |
| 产龙 .....   | 209 | 白莲教 .....  | 240 |
| 保住 .....   | 209 | 双灯 .....   | 241 |
| 公孙九娘 ..... | 210 | 捉鬼射狐 ..... | 242 |
| 促织 .....   | 214 | 蹇偿债 .....  | 243 |
| 柳秀才 .....  | 217 | 头滚 .....   | 243 |
| 水灾 .....   | 217 | 鬼作筵 .....  | 244 |
| 诸城某甲 ..... | 218 | 胡四相公 ..... | 245 |
| 库官 .....   | 218 | 念秧 .....   | 247 |
| 酆都御史 ..... | 219 | 蛙曲 .....   | 253 |
| 龙无目 .....  | 220 | 鼠戏 .....   | 253 |
| 狐谐 .....   | 220 | 泥书生 .....  | 253 |
| 雨钱 .....   | 222 | 土地夫人 ..... | 254 |
| 妾击贼 .....  | 223 | 寒月芙蕖 ..... | 254 |
| 驱怪 .....   | 224 | 酒狂 .....   | 256 |

## 卷 五

|            |     |          |     |
|------------|-----|----------|-----|
| 阳武侯 .....  | 260 | 武技 ..... | 262 |
| 赵城虎 .....  | 261 | 小人 ..... | 263 |
| 螳螂捕蛇 ..... | 262 | 秦生 ..... | 263 |

|            |     |             |     |
|------------|-----|-------------|-----|
| 鸦头 .....   | 264 | 鄱阳神 .....   | 295 |
| 酒虫 .....   | 268 | 伍秋月 .....   | 295 |
| 木雕美人 ..... | 268 | 莲花公主 .....  | 298 |
| 封三娘 .....  | 269 | 绿衣女 .....   | 300 |
| 狐梦 .....   | 273 | 黎氏 .....    | 301 |
| 布客 .....   | 275 | 荷花三娘子 ..... | 302 |
| 农人 .....   | 276 | 骂鸭 .....    | 305 |
| 章阿端 .....  | 277 | 柳氏子 .....   | 305 |
| 饽饽媪 .....  | 279 | 上仙 .....    | 306 |
| 金永年 .....  | 280 | 侯静山 .....   | 307 |
| 花姑子 .....  | 280 | 钱流 .....    | 308 |
| 武孝廉 .....  | 284 | 郭生 .....    | 308 |
| 西湖主 .....  | 286 | 金生色 .....   | 309 |
| 孝子 .....   | 290 | 彭海秋 .....   | 311 |
| 狮子 .....   | 291 | 堪舆 .....    | 315 |
| 阎王 .....   | 291 | 窦氏 .....    | 316 |
| 土偶 .....   | 292 | 梁彦 .....    | 318 |
| 长治女子 ..... | 293 | 龙肉 .....    | 318 |
| 义犬 .....   | 294 |             |     |

## 卷 六

|            |     |            |     |
|------------|-----|------------|-----|
| 潞令 .....   | 319 | 小谢 .....   | 338 |
| 马介甫 .....  | 319 | 缢鬼 .....   | 343 |
| 魁星 .....   | 325 | 吴门画工 ..... | 344 |
| 厓将军 .....  | 326 | 林氏 .....   | 344 |
| 绛妃 .....   | 326 | 胡大姑 .....  | 346 |
| 河间生 .....  | 328 | 细侯 .....   | 348 |
| 云翠仙 .....  | 329 | 狼三则 .....  | 349 |
| 跳神 .....   | 332 | 美人首 .....  | 350 |
| 铁布衫法 ..... | 333 | 刘亮采 .....  | 351 |
| 大力将军 ..... | 334 | 蕙芳 .....   | 351 |
| 白莲教 .....  | 335 | 山神 .....   | 353 |
| 颜氏 .....   | 336 | 萧七 .....   | 354 |
| 杜翁 .....   | 338 | 乱离二则 ..... | 356 |

|          |     |          |     |
|----------|-----|----------|-----|
| 豢蛇·····  | 357 | 鸽异·····  | 367 |
| 雷公·····  | 358 | 聂政·····  | 370 |
| 菱角·····  | 358 | 冷生·····  | 371 |
| 饿鬼·····  | 360 | 狐惩淫····· | 372 |
| 考弊司····· | 361 | 山市·····  | 373 |
| 阎罗·····  | 363 | 江城·····  | 373 |
| 大人·····  | 364 | 孙生·····  | 379 |
| 向杲·····  | 365 | 八大王····· | 380 |
| 董公子····· | 366 | 戏缢·····  | 383 |
| 周三·····  | 367 |          |     |

## 卷 七

|           |     |          |     |
|-----------|-----|----------|-----|
| 罗祖·····   | 385 | 阎罗薨····· | 426 |
| 刘姓·····   | 386 | 颠道人····· | 427 |
| 邵女·····   | 388 | 胡四娘····· | 428 |
| 巩仙·····   | 394 | 僧术·····  | 431 |
| 二商·····   | 398 | 禄数·····  | 432 |
| 沂水秀才····· | 400 | 柳生·····  | 432 |
| 梅女·····   | 400 | 冤狱·····  | 435 |
| 郭秀才·····  | 405 | 鬼令·····  | 437 |
| 死僧·····   | 406 | 甄后·····  | 437 |
| 阿英·····   | 406 | 宦娘·····  | 439 |
| 橘树·····   | 410 | 阿绣·····  | 442 |
| 赤字·····   | 411 | 杨疤眼····· | 447 |
| 牛成章·····  | 411 | 小翠·····  | 447 |
| 青娥·····   | 412 | 金和尚····· | 452 |
| 镜听·····   | 417 | 龙戏蛛····· | 454 |
| 牛痘·····   | 418 | 商妇·····  | 454 |
| 金姑夫·····  | 419 | 阎罗宴····· | 455 |
| 梓潼令·····  | 420 | 役鬼·····  | 455 |
| 鬼津·····   | 420 | 细柳·····  | 456 |
| 仙人岛·····  | 420 |          |     |

## 卷 八

|            |     |           |     |
|------------|-----|-----------|-----|
| 画马 .....   | 460 | 褚生 .....  | 484 |
| 局诈 .....   | 460 | 盗户 .....  | 487 |
| 放蝶 .....   | 464 | 某乙 .....  | 488 |
| 男生子 .....  | 465 | 霍女 .....  | 489 |
| 钟生 .....   | 465 | 司文郎 ..... | 493 |
| 鬼妻 .....   | 468 | 丑狐 .....  | 498 |
| 黄将军 .....  | 469 | 吕无病 ..... | 499 |
| 三朝元老 ..... | 469 | 钱卜筮 ..... | 504 |
| 医术 .....   | 470 | 姚安 .....  | 506 |
| 藏虱 .....   | 471 | 采薇翁 ..... | 507 |
| 梦狼 .....   | 471 | 崔猛 .....  | 508 |
| 夜明 .....   | 474 | 诗臧 .....  | 512 |
| 夏雪 .....   | 474 | 鹿衔草 ..... | 513 |
| 化男 .....   | 475 | 小棺 .....  | 514 |
| 禽侠 .....   | 475 | 邢子仪 ..... | 514 |
| 鸿 .....    | 476 | 李生 .....  | 516 |
| 象 .....    | 476 | 陆押官 ..... | 516 |
| 负尸 .....   | 477 | 蒋太史 ..... | 518 |
| 紫花和尚 ..... | 477 | 邵土梅 ..... | 518 |
| 周克昌 .....  | 477 | 顾生 .....  | 519 |
| 嫦娥 .....   | 478 | 陈锡九 ..... | 520 |
| 鞠药如 .....  | 484 |           |     |

## 卷 九

|           |     |           |     |
|-----------|-----|-----------|-----|
| 邵临淄 ..... | 525 | 爱奴 .....  | 537 |
| 于去恶 ..... | 525 | 单父宰 ..... | 540 |
| 狂生 .....  | 529 | 孙必振 ..... | 541 |
| 澄俗 .....  | 530 | 邑人 .....  | 541 |
| 凤仙 .....  | 530 | 元宝 .....  | 541 |
| 佟客 .....  | 534 | 研石 .....  | 542 |
| 辽阳军 ..... | 536 | 武夷 .....  | 542 |
| 张贡士 ..... | 536 | 大鼠 .....  | 542 |

|           |     |            |     |
|-----------|-----|------------|-----|
| 张不量 ..... | 543 | 农妇 .....   | 561 |
| 牧竖 .....  | 543 | 金陵乙 .....  | 561 |
| 富翁 .....  | 544 | 郭安 .....   | 562 |
| 王司马 ..... | 544 | 折狱 .....   | 563 |
| 岳神 .....  | 544 | 义犬 .....   | 565 |
| 小梅 .....  | 545 | 杨大洪 .....  | 566 |
| 药僧 .....  | 549 | 查牙山洞 ..... | 567 |
| 于中丞 ..... | 549 | 安期岛 .....  | 568 |
| 皂隶 .....  | 550 | 沅俗 .....   | 569 |
| 绩女 .....  | 551 | 云萝公主 ..... | 570 |
| 红毛毡 ..... | 553 | 鸟语 .....   | 576 |
| 抽肠 .....  | 553 | 天宫 .....   | 577 |
| 张鸿渐 ..... | 554 | 乔女 .....   | 579 |
| 太医 .....  | 558 | 蛤 .....    | 581 |
| 牛飞 .....  | 559 | 刘夫人 .....  | 581 |
| 王子安 ..... | 559 | 陵县狐 .....  | 585 |
| 刁姓 .....  | 560 |            |     |

## 卷 十

|           |     |            |     |
|-----------|-----|------------|-----|
| 王货郎 ..... | 586 | 贾奉雉 .....  | 613 |
| 疲龙 .....  | 586 | 胭脂 .....   | 617 |
| 真生 .....  | 587 | 阿纤 .....   | 623 |
| 布商 .....  | 588 | 瑞云 .....   | 626 |
| 彭二挣 ..... | 589 | 仇大娘 .....  | 628 |
| 何仙 .....  | 589 | 曹操冢 .....  | 634 |
| 牛同人 ..... | 590 | 龙飞相公 ..... | 634 |
| 神女 .....  | 591 | 珊瑚 .....   | 637 |
| 湘裙 .....  | 595 | 五通 .....   | 641 |
| 三生 .....  | 599 | 又 .....    | 643 |
| 长亭 .....  | 601 | 申氏 .....   | 645 |
| 席方平 ..... | 605 | 恒娘 .....   | 647 |
| 素秋 .....  | 608 | 葛巾 .....   | 650 |

## 卷 十 一

|            |     |            |     |
|------------|-----|------------|-----|
| 冯木匠 .....  | 655 | 竹青 .....   | 689 |
| 黄英 .....   | 655 | 段氏 .....   | 692 |
| 书痴 .....   | 659 | 狐女 .....   | 694 |
| 齐天大圣 ..... | 662 | 张氏妇 .....  | 694 |
| 青蛙神 .....  | 664 | 于子游 .....  | 695 |
| 又 .....    | 667 | 男妾 .....   | 696 |
| 任秀 .....   | 668 | 汪可受 .....  | 696 |
| 晚霞 .....   | 670 | 牛犊 .....   | 697 |
| 白秋练 .....  | 673 | 王大 .....   | 697 |
| 王者 .....   | 677 | 乐仲 .....   | 700 |
| 某甲 .....   | 679 | 香玉 .....   | 704 |
| 衢州三怪 ..... | 679 | 三仙 .....   | 707 |
| 拆楼人 .....  | 679 | 鬼隶 .....   | 708 |
| 大蝎 .....   | 680 | 王十 .....   | 708 |
| 陈云栖 .....  | 680 | 大男 .....   | 710 |
| 司札吏 .....  | 685 | 外国人 .....  | 713 |
| 蚰蜒 .....   | 685 | 韦公子 .....  | 714 |
| 司训 .....   | 686 | 石清虚 .....  | 715 |
| 黑鬼 .....   | 686 | 曾友于 .....  | 717 |
| 织成 .....   | 687 | 嘉平公子 ..... | 721 |

## 卷 十 二

|            |     |             |     |
|------------|-----|-------------|-----|
| 二班 .....   | 723 | 青城妇 .....   | 731 |
| 车夫 .....   | 724 | 鸱鸟 .....    | 732 |
| 乩仙 .....   | 724 | 古瓶 .....    | 733 |
| 苗生 .....   | 724 | 元少先生 .....  | 733 |
| 蝎客 .....   | 726 | 薛慰娘 .....   | 734 |
| 杜小雷 .....  | 727 | 田子成 .....   | 737 |
| 毛大福 .....  | 727 | 王桂庵 .....   | 739 |
| 雹神 .....   | 728 | 寄生(附) ..... | 742 |
| 李八缸 .....  | 729 | 周生 .....    | 746 |
| 老龙船户 ..... | 730 | 褚遂良 .....   | 746 |

|           |     |           |     |
|-----------|-----|-----------|-----|
| 刘全 .....  | 747 | 锦瑟 .....  | 763 |
| 土化兔 ..... | 749 | 太原狱 ..... | 767 |
| 鸟使 .....  | 749 | 新郑讼 ..... | 768 |
| 姬生 .....  | 749 | 李象先 ..... | 769 |
| 果报 .....  | 751 | 房文淑 ..... | 769 |
| 公孙夏 ..... | 751 | 秦桧 .....  | 771 |
| 韩方 .....  | 754 | 浙东生 ..... | 772 |
| 纫针 .....  | 754 | 博兴女 ..... | 772 |
| 桓侯 .....  | 758 | 一员官 ..... | 773 |
| 粉蝶 .....  | 760 | 丐仙 .....  | 774 |
| 李檀斯 ..... | 762 | 人妖 .....  | 777 |

## 卷 一

### 考 城 隍

我姐夫的祖父宋公，名焘，是县学的学生。一天，他生病躺在床上，看见一名公差手里拿着公文，牵着一匹白额马，走来对他说：“请你去参加考试。”宋公说：“主考大人还没光临，怎么就开考了呢？”公差并不回答，只是一个劲地催促赶快动身。宋公勉强支撑起病体，骑马跟公差前去。一路经过的地方都很生疏。

来到一个城市，像是帝王的京城。过了一会，进入官府，屋宇殿堂十分壮丽。大殿上坐着十几个当官的，都不知名姓，只有关圣帝君可以认出来。廊檐下摆着桌子、凳子各两只，已经先有一个秀才坐在下首的座位上。宋公就挨着他坐下。两张桌上都备有纸笔。不一会儿，考题传下来，宋公一看，是八个字：“一人二人，有心无心。”两人文章做好，呈递到殿上。宋公文章中有这样几句话：“故意做好事，即使好，也不奖赏；无意间做了坏事，即使坏，也不惩罚。”殿上各位神人互相传看，赞不绝口。

神人召唤宋公上殿，对他说道：“河南缺一个城隍，你正称职。”宋公这才明白是怎么回事，磕头哭道：“荣受重任，岂敢推辞；但是老母年已七十，无人奉养。恳请让我侍奉老母安享天年，然后前来听候录用。”殿上一个像是帝王模样的神人，当时就命人查核宋母寿限。有个胡须长长的官吏，捧着生死簿翻阅一遍，回报说：“还有九年阳寿。”诸位神人正在犹豫不决的时候，关帝说道：“不妨叫张君先去代理九年，到时候再接替就行了。”于是，那个帝王模样的神人对宋公说：“你本当立即赴任，现在本着仁孝之心，给你九年假期，到时候自然还要来召唤你。”又对张秀才勉励了几句。

宋公和张秀才磕了头退下大殿。张秀才握着宋公的手，一直把他送到城外，并告诉宋公，自己是长山县张某某。还吟诗赠别。张秀才的诗，宋公大多忘了，只记得其中有这样两句：“有花有酒春常在，无烛无灯夜自明。”宋公上了马，就告别而去。等回到家中，好像忽然从睡梦中醒来，这时他已经死去三天了。母亲听见棺材里有呻吟的声音，急忙把他扶了出来，好半天才能说话。他到长山打听，果然有个张秀才在那天死了。

九年以后，母亲果然去世了。宋公安葬好母亲，洗好澡，进屋就死了。他岳父家住在城里西门内，忽然看见宋公骑马而来，那马系着雕花胸带，马头两边缀着大红饰物，身后跟着很多车马随从。宋公登上厅堂，朝岳父拜了一拜，

就走了。岳父全家都感到惊讶疑惑,不知这是宋公的神灵。于是派人到乡下打听消息,宋公已经死了。

宋公有一部自撰的小传,可惜动乱之后荡然无存,这里讲的故事,只是其中大略而已。

## 耳 中 人

谭晋玄是县里的秀才,他深信气功,酷暑严寒也不停止练功。练了几个月,好像有点得气了。一天,他正盘腿静坐,听见耳中有苍蝇嗡嗡叫似的轻微声音说:“可以看见了。”张开眼睛,那声音就消失了。闭上眼睛,调定气息,又照旧听到那句话。谭生自以为道术就要成功,心中暗暗高兴。从此以后,每当静坐就能听到。心想等耳中人再说话时,答应一声看看会怎样。

一天,耳中人又说话了,谭生便轻声应道:“可以看见了。”不一会儿,就觉得耳朵里窸窸窣窣像有什么东西在出来。他微微睁眼斜视,只见一个才三寸来长的小人,容貌凶恶丑陋,就像夜叉模样,在地上打转。谭生心里暗暗惊奇,暂且集中注意力观察他还有什么变化。

忽然有个邻居来借东西,一面敲门,一面呼唤谭生。小人听到声音,神情慌张,绕着屋子团团转,就像老鼠找不到洞穴似的。谭生只觉神散魂失,不再知道小人到什么地方去了。从此他就得了疯癫病,不停地喊叫,医治了半年,才慢慢地痊愈。

## 尸 变

阳信县有位老翁,是蔡店乡人,村子离县城有五六里路,父子俩在大路旁开了一个旅店,供过往客商住宿。有几个车夫,来往贩运,总是住在老翁家中。

一天傍晚,四个车夫结伴而来,上门投宿,可是店里已经客满了。四个人一合计,没别的地方可去,再三要求住下。老翁沉思片刻,想到有个地方,又好像怕不合客人的心意。车夫们说:“我们只求有个庇身之所就行了,绝不敢挑三拣四的。”当时,老翁的儿媳妇刚刚去世,尸体停放在屋里,儿子外出购买棺木,还没有回来。老翁因为灵堂空着,就带领客人穿过甬道前去。

走进灵堂,只见供桌上灯火昏暗,桌后张着一重帐幕,一床纸被覆盖在死者身上。再看他们睡觉的地方,原来是灵堂的内室,有一排统铺。四个车夫奔

波了一天，十分困倦。刚一挨着枕头，就渐渐响起鼾声。只有一个人还迷迷糊糊的没有睡沉。

忽然，他听见灵床上响起了嚓嚓的声音，急忙睁开眼睛，灵床前灯火照耀下看得分明：女尸已经掀开纸被，坐了起来。一会儿又下床，一步步走进车夫们睡觉的房间。面色淡黄，生绢布缠头。走近榻前，俯身朝睡着的人挨个儿连吹三口气。车夫害怕极了，担心就要轮到自已，偷偷把被子拉上来盖住脑袋，屏住呼吸，忍住咽唾沫，听着。不一会儿，女尸果然来了，照样向他吹过。车夫觉察那女尸走出了卧房，随即听到翻动纸被的声音。他探出头来稍稍窥视，看见女尸仍然像先前那样直挺挺地躺在灵床上。

车夫怕得不得了，不敢出声，悄悄用脚蹬蹬睡在旁边的同伴，可是他们一动也不动。思来想去，别无良策，不如穿上衣服逃出去。他刚起来抖一抖衣服，嚓嚓的声音又响了起来。他吓得连忙又趴下，把头缩进被子里。感觉到女尸再次来到床前，连吹好几遍才离去。一会儿，听见灵床又发出声音，知道女尸重新躺下了。就从被子下面一点一点伸出手来，摸到裤子，急忙穿上，赤脚朝门外奔去。女尸也起来，像是要追车夫，等离开帐幕，车夫已经拔开门栓逃了出去，女尸急步紧随着他。

车夫一边跑，一边大声呼喊，可是村里没有一个人惊醒过来的。想去敲主人的房门，又怕稍一迟缓，会被女尸追上，就朝着县城路上拼命奔去。跑到城东郊，一眼瞧见前面有一座寺庙，里面传出木鱼声，就急忙使劲敲打山门。庙里的和尚怕有突然事变又不敢立即开门。一转身，女尸已追了上来，离身只一尺多。车夫更处于困境。见寺院门外有一株白杨树，树围大约有四五尺，就躲到树后。女尸从右面来，他就往左面躲；女尸绕到左面，他就躲到右面。女尸更加暴怒。不过两方面也都渐感精疲力尽了，女尸突然立定。车夫大汗淋漓，上气不接下气，躲在树间。女尸猛地跳起来，伸出两臂，隔着树向车夫扑去。车夫吓得跌倒。女尸没能抓到车夫，抱住白杨树不动了。

和尚在庙门后偷听了很久，外面没声音了，才小心翼翼地出来。看到车夫躺在地上，用烛火一照，已经昏死过去，可是心口还微微有点跳动，把他背进庙中，夜尽才苏醒过来。和尚给他喂了些汤水，问他到底出了什么事，车夫便把事情经过说了。这时，庙里晨钟已经敲过，天色渐渐迷蒙可辨，和尚看白杨树上，果然有一具僵立的女尸，十分惊骇，马上报告了县令。

县令亲自来到现场，查实验证。他叫人扳开女尸的双手，却扳得死死的拔不出来。县令仔细察看，原来左右四个手指都弯曲如钩，深深扎入树中，指甲都看不见了。又上去好几个人用力拔，才把女尸拉下来。看那指穴，就像是凿出的洞一般。县令派衙役到老翁家去打听情况，那里正在为不见了儿媳妇的